सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 75 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 19 अप्रैल, 2022

मूल्य ₹ 3/-

गलतियां हमेशा क्षमा की जा सकती हैं, यदि आपके पास उन्हें स्वीकारने का साहस हो।

-ब्रूस ली

किसानों को न्याय तभी मिलेगा... 2 | कोरोना संक्रमण के खतरे पर... 3 | भाजपा राज में लोकतांत्रिक संस्थाओं... 7

योगी सरकार का बड़ा फैसला, मथुरा आगरा और प्रयागराज में बनेंगे हेलीपैड

कैबिनेट में 14 प्रस्तावों पर मुहर, न्यायिक पदों में दिव्यांगों को आरक्षण

- » भरे जाएंगे लैब टेक्नीशियन के खाली पद
- » अब चार से दस करोड़ तक के काम करेगा पर्यटन विकास निगम
- » गोपनीय विभाग में भी अपर मुख्य सचिव का पद सृजित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में लगातार दूसरी बार सत्ता संभालने के बाद आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। इसके तहत एक ओर दिव्यांगों को न्यायिक पदों में चार फीसदी आरक्षण को मंजूरी दी गयी तो दूसरी ओर लैब टेक्नीशियन के खाली पदों को भरने पर भी मुहर लगायी गयी। इसके अलावा मथुरा, आगरा और प्रयागराज में हेलीपैड बनाने का प्रस्ताव भी पास हुआ।

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने बताया कि कैबिनेट ने कुल 14 प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इसके मुताबिक न्यायिक पदों पर दिव्यांगों को चार फीसदी आरक्षण मिलेगा वहीं लैब टेक्नीशियन के 25फीसदी पद लैब असिस्टेंट के प्रमोशन से भरे जाएंगे जबकि 75 प्रतिशत सीधी भर्ती होगी। आगरा, मथुरा और प्रयागराज में निजी क्षेत्र के सहयोग से हेलीपैड बनाये जाएंगे। इनके विकास में पांच करोड़ रुपये पहले ही खर्च किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने हरिद्वार के अलकनंदा गेस्ट हाउस में 3000 वर्गमीटर पर बनाये गये भागीरथी गेस्ट हाउस को उत्तर प्रदेश पर्यटन विकास निगम को हस्तांरित करने का निर्णय लिया गया है। वहीं लखनऊ में रमाबाई आम्बेडकर स्थल के सामने बना पक्का हेलीपैड स्थल एवं उससे सम्बद्ध अन्य सुविधाओं को पर्यटन विभाग के पक्ष में हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि चार से दस करोड़ तक के काम अब पर्यटन विकास निगम करेगा। उसे कार्यदायी संस्था के रूप में मंजूरी मिलेगी। 82.53 किमी के पुखरायां-घाटमपुर मार्ग का उच्चीकरण किया जाएगा। 1136 करोड़ का निवेश होगा। नोएडा पीजीआई के लिये 56 एकड़ जमीन चाहिए। अथॉरिटी ने 400 करोड़ से अधिक मांगा था लेकिन इसे नि:शुल्क देने पर सहमति बनी है। गोपनीय विभाग में अपर मुख्य सचिव का पद मंजूर किया गया है। इसके अलावा 153 पिस्टल होमगार्ड विभाग खरीदेगा।

बांग्लादेश से विस्थापित हिंदू परिवारों को सीएम ने दी खेती की जमीन और आवासीय पट्टा

- » कानपुर में बसाए जाएंगे परिवार घर बनाने के लिए दी जाएगी आर्थिक सहायता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में करीब 52 वर्ष पहले पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) से विस्थापित होकर आए 63 हिंदू बंगाली परिवारों को सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज बड़ी सौगात दी। सीएम ने लोक भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में 1970 में पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित इन परिवारों के पुनर्वासन के लिए कृषि भूमि के साथ आवासीय पट्टा भी प्रदान किया।

मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत सीएम ने विस्थापित परिवारों के पुनर्वासन के लिए स्वीकृति पत्र भी वितरित किये। इनको कानपुर देहात जिले के महेन्द्र नगर में बसाने की व्यवस्था की गई है। सभी परिवारों को आवास के साथ कृषि योग्य दो-दो एकड़ जमीन भी दी गई है जिससे इनकी जीविका चल सकेगी। यह सभी 63 परिवार 1970 में पूर्वी पाकिस्तान से आकर मेरठ के हस्तिनापुर में रह रहे थे। सभी बीते कई वर्ष से आवास और खेती के लिए कृषि भूमि की मांग कर रहे थे। बीते वर्ष 11 नवम्बर को यूपी कैबिनेट में इन परिवारों की पुनर्वास प्रक्रिया के लिए प्रस्ताव पारित हो गया था। हर परिवार को आवास के लिए 200 वर्ग मीटर जमीन और मुख्यमंत्री आवास योजना के माध्यम से घर बनाने के एक लाख 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। परिवारों के सदस्यों को इनकी योग्यता अनुसार मनरेगा के तहत काम भी दिया जायेगा।

सरोजनीनगर में खुलेगा एनसीडीसी

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने बताया कि नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) सेंटर लखनऊ में खुलेगा। 2.5 एकड़ जमीन सरोजनीनगर के जैती खेड़ा में दी गई है। वहीं केजीएमयू के पुराने भवन का ध्वस्तीकरण होगा।

नोएडा में कोरोना से हाहाकार, चौबीस घंटे में 33 छात्रों समेत 107 संक्रमित

132 स्कूली बच्चे आ चुके हैं चपेट में अभिभावकों में दहशत

- » स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप कोरोना गाइडलाइन का भी नहीं हो रहा पालन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा में कोरोना से हाहाकार मच गया है। यहां हर दिन संक्रमितों का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। बीते चौबीस घंटे में कोरोना के 107 नए मामले सामने आए हैं। इनमें 33 छात्र शामिल हैं। इनकी उम्र 18 साल से कम है। यहां सक्रिय केसों की संख्या 332 हो गई हैं। वहीं 10 दिन में 132 बच्चे संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इससे अभिभावकों में दहशत फैल गयी है। वहीं स्कूलों में बढ़ते संक्रमण को देखकर

स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है।

जिले के विभिन्न स्कूलों में कोरोना तेजी से फैल रहा है। यहां पढ़ने वाले सौ से अधिक छात्र संक्रमित हो चुके हैं। इसके अलावा अन्य लोग भी तेजी से कोरोना की चपेट में आ रहे हैं। स्कूलों में बढ़ते संक्रमण से अभिभावक दहशत में हैं। खासकर 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को लेकर चिंता बढ़ गई है। वे अपने बच्चों को स्कूल भेजने से परहेज कर रहे हैं। छोटी कक्षाओं में छात्रों की संख्या लगातार कम हो रही है। इन बच्चों को अभी वैक्सीन नहीं लगी है जबकि यह शारीरिक दूरी और साफ-सफाई को लेकर भी जागरूकता नहीं दिख रहे हैं। मास्क और कोरोना प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया जा रहा है। स्कूल बसों में भी बच्चे बिना मास्क के दिखे। वहीं कुछ स्कूल वाहनों में क्षमता से ज्यादा बच्चे दिखे। इससे संक्रमण के और बढ़ने की आशंका है।

कांग्रेस के कायाकल्प में जुटी सोनिया, जारी है बैठकों का दौर

- » आगामी चुनाव पर चर्चा कई बड़े नेता हुए शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आगामी चुनावों में जीत और अपने कायाकल्प के लिए युद्ध स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। कांग्रेस की टॉप लीडरशिप के बीच चार दिनों में आज तीसरी बार फिर बैठक हुई। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के सरकारी आवास 10 जनपथ पर हुई बैठक में चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर भी मौजूद रहे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में लोक सभा और इसके पहले होने वाले विधान सभा चुनावों के लिए रणनीति पर भी चर्चा की गई।

बताया जा रहा है कि इस अहम बैठक में सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल, पी चिदंबरम, मुकुल वासनिक, रणदीप सुरजेवाला मौजूद थे। इनके अलावा बैठक में अंबिका सोनी, ए के एंटनी, दिग्विजय सिंह और जयराम रमेश जैसे कई बड़े नेता भी शामिल थे। हालांकि, इस मीटिंग में राहुल गांधी मौजूद नहीं थे। वहीं, इस बैठक में जी-23 कैंप के किसी भी नेता को नहीं बुलाया गया था। इससे पहले चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने चार घंटे तक प्रेजेंटेशन दिया था।

कानून व्यवस्था से कोई समझौता नहीं : सीएम

» प्रदेश में बिना अनुमति न शोभायात्रा निकलेगी और न ही धार्मिक जुलूस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फील्ड के अफसरों को साफ शब्दों में कहा है कि कानून व्यवस्था से कोई समझौता नहीं होगा। उन्माद फैलाने और अफवाह फैलाने वाले हर व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई हो, वह चाहे जिस पक्ष का हो। बिना अनुमति के कोई शोभायात्रा या धार्मिक जुलूस न निकलने दिया जाए। अनुमति भी केवल उन्हें दी जाए जो परंपरागत हो। किसी नई परंपरा की शुरूआत न होने दी जाए।

दूसरे कार्यकाल की पहली वीसी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के तेवर सख्त थे। उन्होंने अलीगढ़, सहारनपुर और लखनऊ के गुडंबा की घटना पर नाराजगी जाहिर की और वरिष्ठ अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। लखनऊ में सरेशाम हुई फायरिंग की घटना में किसी पुलिस कर्मी पर कार्रवाई न करने पर नाराजगी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री गुडंबा के थाना प्रभारी को तत्काल निलंबित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हल्के के दरोगा और बीट के सिपाहियों पर भी कार्रवाई की जाए और इस कार्रवाई से मुख्यमंत्री कार्यालय को अवगत कराया जाए। वहीं अलीगढ़ और सहारनपुर में अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई न करने पर नाराजगी जाहिर की। मुख्यमंत्री ने वीसी में कहा कि अपनी धार्मिक विचारधारा के अनुसार सभी को अपनी उपासना पद्धति को मानने की स्वतंत्रता है। माइक का प्रयोग किया जा सकता है। लेकिन यह सुनिश्चित हो कि माइक की आवाज उस परिसर से बाहर न आए। अन्य लोगों को कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए। नए स्थलों पर माइक लगाने की अनुमति न दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर त्यौहार शांति और सौहार्द के साथ संपन्न हो। इसके लिए स्थानीय जरूरतों को देखते हुए सभी जरूरी प्रयास किए जाएं। शरारतपूर्ण बयान जारी करने वालों के साथ कड़ाई से पेश आएं। माहौल खराब करने की कोशिश करने वाले अराजक तत्वों के साथ पूरी कठोरता की जाए। ऐसे लोगों के लिए सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि धार्मिक कार्यक्रम, पूजा-पाठ निर्धारित स्थान पर ही हों। यह सुनिश्चित करें कि सड़क मार्ग, यातायात बाधित कर कोई धार्मिक आयोजन न हो।

अपने-अपने कार्यक्षेत्र में ही रात्रि विश्राम करें अफसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि तहसीलदार, एसडीएम, सीओ व थानाध्यक्ष सभी अपनी तैनाती के क्षेत्र में ही रात्रि विश्राम करें। शासकीय आवास है तो वहां रहें नहीं तो किराए का आवास लें। लेकिन रात्रि में अपने ही क्षेत्र में रहें। इस व्यवस्था का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने को निर्देश मुख्यमंत्री ने दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा प्रदेश में हर एक नागरिक की सुरक्षा हम सभी की पहली जिम्मेदारी है। हमें अपनी इस जिम्मेदारी के प्रति सदैव सतर्क व सावधान रहना होगा। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, ड्रोन का उपयोग कर स्थिति पर नजर रखने और प्रतिदिन शाम को पुलिस पेट्रोलिंग जरूर करें। पीआरवी 112 भी सक्रिय रहे।

4 मई तक पुलिस कर्मियों की छुट्टियां निरस्त

मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में कई महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व त्यौहार हैं। रमजान का महीना चल रहा है। ईद का त्यौहार और अक्षय तृतीया एक ही दिन होना संभावित है। ऐसे में वर्तमान परिवेश को देखते हुए पुलिस को अतिरिक्त संवेदनशील रहना होगा। थानाध्यक्ष से लेकर एडीजी तक अगले 24 घंटे के भीतर अपने अपने क्षेत्र के धर्मगुरुओं, समाज के अन्य प्रतिष्ठित जनों के साथ सतत संवाद बनाएं। मुख्यमंत्री ने 4 मई तक सभी पुलिस अधिकारियों व कर्मियों की छुट्टियां निरस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि थानाध्यक्ष, सीओ और पुलिस कप्तान से लेकर जिलाधिकारी, मंडलायुक्त तक सभी प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों का अवकाश तत्काल प्रभाव से निरस्त होगा। जो वर्तमान में अवकाश पर हैं व अगले 24 घंटे के भीतर तैनाती स्थल पर वापस लौटें।

चंपावत विधानसभा सीट से ताल ठोकेंगे सीएम धामी!

» 23 को उत्तराखंड आ सकते हैं बीएल संतोष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष 23 अप्रैल को दो दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड आ सकते हैं। उन्हें चार अप्रैल को आना था, लेकिन कार्यक्रम स्थगित हो गया। अपने दो दिवसीय दौरे में बीएल संतोष पार्टी के कोर ग्रुप, प्रदेश पदाधिकारियों व वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक कर सकते हैं।

पार्टी ने अभी राष्ट्रीय महामंत्री संगठन की बैठक और चर्चा में होने वाले मसलों को खुलासा नहीं किया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि संतोष विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत और चुनाव के दौरान पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ भितरघात की शिकायतों की समीक्षा कर सकते हैं। उनके आने से पहले ही पार्टी ने सभी 70 विधानसभा सीटों की समीक्षा रिपोर्ट तैयार कर ली थी। साथ ही चुनाव में हारी गई 23 विधानसभा सीटों की समीक्षा रिपोर्ट भी बना ली गई थी, जिसे अनुशासन समिति के सुपुर्द कर दिया गया है। सूत्रों का कहना है कि संतोष के सामने भी यह रिपोर्ट रखी जा सकती है। पार्टी के वरिष्ठ नेता उन्हें रिपोर्ट के बारे में जानकारी दे सकते हैं। इसके अलावा बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के उपचुनाव को लेकर भी मंथन हो सकता है। अभी पार्टी को यह तय करना है कि धामी किस विधानसभा सीट से उपचुनाव लड़ेंगे। दिल्ली से लौटने के बाद सियासी हलकों में यह चर्चा गर्म है कि वह चंपावत विधानसभा से ही ताल ठोकेंगे।

सपा प्रत्याशी रोशन लाल करने लगे योगी की तारीफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शाहजहांपुर। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य का इस्तीफा लेकर जाने वाले पूर्व विधायक और सपा प्रत्याशी रोशन लाल वर्मा की बिल्डिंग और प्लॉट की नाप प्रशासन ने शुरू कर दी है। रोशल लाल के खिलाफ मिली शिकायत के बाद राजस्व की टीम ने दल-बल के साथ बिल्डिंग और प्लॉट का नाप-जोख किया। वहीं राजस्व की टीम पहुंचने पर सपा प्रत्याशी ने मुख्यमंत्री योगी की तारीफ में कसीदे पढ़ने शुरू कर दिए और सीएम योगी से न्याय की गुहार लगाई है।

बीजेपी छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए रोशन लाल वर्मा की बिल्डिंग और प्लॉट की राजस्व विभाग की टीम ने 4 घंटे तक बारीकी से नाप की। इस दौरान उनकी सुरक्षा के लिए पुलिस की टीम भी मौजूद रही। राजस्व विभाग का कहना है कि नाप के बाद अगर जमीन सरकारी पाई गई तो आगे की कार्रवाई की जाएगी। तहसीलदार ने बताया कि अतिक्रमण की शिकायत मिली थी, राजस्व विभाग की टीम दो जगहों पर जांच कर रही है।

किसानों को न्याय तभी मिलेगा जब मंत्री टेनी हटेंगे : टिकैत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा उर्फ टेनी के पुत्र आशीष की जमानत रद होने पर भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। बोले आशीष ने लखीमपुर खीरी में अपनी मांगों के लिए आंदोलन कर रहे किसानों को कुचलने का दुस्साहस किया था। इस मामले में किसान इंसाफ के लिए लड़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पीड़ित किसानों और उनके स्वजन में इंसाफ की उम्मीद जगी है। राकेश टिकैत ने कहा कि जब तक टेनी मंत्रिमंडल में रहेंगे, इस प्रकरण को प्रभावित करते रहेंगे।

टेनी को हटाने के बाद ही किसानों को न्याय मिल सकेगा। उन्होंने सरकार से मांग है कि उन्हें मंत्रिमंडल से तत्काल हटाया जाए। सरकार के लिए अजय टेनी अत्यधिक जरूरी है तो फैसले के बाद फिर से मंत्रिमंडल में शामिल कर लें। उन्होंने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल 25 अप्रैल को लखीमपुर खीरी जाएगा। वह भी मृतक किसानों के स्वजन से मिलेंगे। पीड़ित किसानों को अभी तक मुआवजा नहीं मिला है। मृतक किसानों के स्वजन को नौकरी भी नहीं दी गई है। इन सब मसलों पर पीड़ितों से बातचीत करेंगे और इसके बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी। इसके अलावा राकेश टिकैत ने कहा कि केंद्र ने अब तक किसानों की मांगें नहीं मानी है। किसान जल्द ही आंदोलन को लेकर अगली बैठक करेंगे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

स्मार्ट सिटी अवार्ड में उत्तर प्रदेश नंबर वन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्मार्ट सिटी अवार्ड की अलग-अलग श्रेणियों में वाराणसी को चार, आगरा को दो व सहारनपुर को एक पुरस्कार मिला है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत उत्कृष्ट एवं अभिनव के लिए उत्तर प्रदेश को प्रथम पुरस्कार मिला है। यह पुरस्कार सूरत में आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने प्रदान किए। द्वितीय चरण में चयनित शहरों में प्रथम स्थान पर आगरा व तीसरे स्थान पर वाराणसी रहा है।

आगरा को इकोनामी प्रोजेक्ट अवार्ड से तृतीय स्थान और माइक्रो स्किल डेवलपमेंट सेंटर्स के निर्माण और सफल व उत्कृष्ट संचालन के लिए द्वितीय पुरस्कार मिला है। इसी तरह वाराणसी स्मार्ट सिटी को वाटर प्रोजेक्ट अवार्ड में अस्सी नदी के पर्यावरणीय पुनरुद्धार (इको- रेस्टोरेशन) के लिए पहला स्थान हासिल हुआ है। स्मार्ट सिटीज सिटी लीडरशिप अवार्ड में वाराणसी स्मार्ट सिटी दूसरे नंबर पर काबिज हुआ है। इनोवेटिव आइडिया अवार्ड कोविड इनोवेशन अवार्ड श्रेणी में वाराणसी व कल्याण डोम्बिवली को संयुक्त रूप से पुरस्कृत किया गया। इसी श्रेणी के चौथे चक्र में चयनित स्मार्ट सिटीज में सहारनपुर को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इसके अलावा द्वितीय चरण में चयनित होने वाले शहरों में वाराणसी को सिटी अवार्ड दिया गया। भारत सरकार ने स्मार्ट सिटी मिशन के तहत यूपी के 10 शहरों का चयन अलग-अलग चरण में किया गया। प्रथम चरण में लखनऊ व द्वितीय चरण में कानपुर, आगरा व वाराणसी हुआ था। तीसरे चरण में प्रयागराज, अलीगढ़ व झांसी एवं चौथे चरण में बरेली, सहारनपुर और मुरादाबाद शहर चुने गए थे। नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने सभी पुरस्कृत शहरों को बधाई देते हुए कहा कि इस पुरस्कार से प्रोत्साहन मिला है। उन्होंने कहा कि अगले पुरस्कारों की घोषणा में उत्कृष्ट कार्यों के लिए अन्य शहरों का नाम शामिल होगा।

वाराणसी को चार व आगरा को मिले दो पुरस्कार

कोरोना संक्रमण के खतरे पर सरकार अलर्ट, फिर मास्क लगाना हुआ अनिवार्य

» अब बिना मास्क लगाए सड़क पर नहीं निकल सकेंगे

» एनसीआर के साथ लखनऊ में सार्वजनिक स्थल पर मास्क लगाना जरूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे कुछ राज्यों में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टीम-नाइन को अलर्ट मोड पर रहने को कहा है। कोरोना के बढ़ते मामलों पर सरकार गंभीर है। इसको देखते हुए तत्काल प्रभाव से एनसीआर क्षेत्र के प्रदेश के जिलों गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद तथा हापुड़ के साथ राजधानी लखनऊ में अब सार्वजनिक स्थल पर सभी के लिए मास्क पहनना अनिवार्य पर दिया गया है। उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे कुछ राज्यों में कोरोना के केसों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

इसका एनसीआर के जिलों हापुड़, गौतमबुद्ध नगर तथा गाजियाबाद में भी प्रभाव बढ़ा है। बीते कुछ दिनों से यहां पर लगातार केस बढ़ रहे हैं। बीते 24 घंटे में गौतमबुद्ध नगर में 65 तथा गाजियाबाद में 20 नए संक्रमित मिले हैं। साथ ही लखनऊ में 10 भी दस नए मरीजों के पाजिटिव होने की पुष्टि हुई है। सीएम का निर्देश है कि इन सभी क्षेत्रों में स्थिति पर सूक्ष्मता से नजर रखी जाए। सीएम ने इसके साथ निर्देश दिया है कि एनसीआर के जनपदों गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, हापुड़, मेरठ, बुलंदशहर तथा बागपत के साथ राजधानी लखनऊ में सभी सार्वजनिक स्थानों पर मास्क लगाया जाना अनिवार्य किया जाए। इन जनपदों में टीकाकरण से छूटे लोगों को चिन्हित कर वैक्सीनेट किया जाए। साथ ही सभी जगह पब्लिक एड्रेस सिस्टम का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया जाए। लक्षणयुक्त लोगों की तत्काल टेस्टिंग कराई जाए। सीएम योगी ने कहा कि एनसीआर में कोविड पॉजिटिव पाए गए मरीजों के सैम्पल की जीनोम सिक्वेंसिंग के दौरान कोविड के ओमीक्रॉन वैरिएंट की ही पुष्टि हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार संभव है कि केस की संख्या में बढ़ोतरी हो लेकिन अस्पताल में भर्ती होने अथवा मरीज के अति गंभीर होने की स्थिति नहीं होगी। लोगों को कोविड प्रोटोकॉल का अनुपालन के लिए जागरूक किया जाए।

बच्चों के वैक्सीनेशन को गति देने की जरूरत

प्रदेश में कोविड टीकाकरण अभियान की प्रगति संतोषप्रद है। बच्चों के टीकाकरण को और तेज करने की आवश्यकता है। 30 करोड़ 75 लाख से अधिक कोविड टीकाकरण के साथ ही अब तक 103 प्रतिशत से ज्यादा वयस्क आबादी को टीके की पहली डोज लग चुकी है जबकि 86.34 प्रतिशत से अधिक लोगों को दोनों खुराक मिल चुकी है। 15 से 17 आयु वर्ग में 94 प्रतिशत से ज्यादा किशोरों को पहली खुराक मिल चुकी है। 12 से 14 आयु वर्ग के बच्चों को पहली डोज के बाद अब पात्रता के अनुसार दूसरी डोज भी दी जाए।

700 निजी टीकाकरण केंद्र पर बूस्टर डोज

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 700 निजी टीकाकरण केंद्र पर बूस्टर डोज लगवाए जा सकते हैं। इन टीकाकरण केंद्रों और बूस्टर डोज की महत्ता के बारे में आमजन को जागरूक किया जाए। 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को बूस्टर डोज लगाए जाने में तेजी की अपेक्षा है। प्रत्येक दशा में यह सुनिश्चित किया जाए कि एक भी नागरिक टीकाकवर से वंचित न रहे।

लखनऊ आने वालों की होगी कोरोना जांच, आगरा टोल पर भी देने होंगे सैंपल

कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए लखनऊ जिला प्रशासन भी अलर्ट हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद लखनऊ के जिलाधिकारी ने आगरा एक्सप्रेसवे, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, एयरपोर्ट और लखनऊ टोल प्लाजा पर टीमें तैनात कर कोविड टेस्ट कराने का आदेश जारी किया है। आगरा एक्सप्रेस वे से लखनऊ का सफर करने वाले अब आगरा टोल प्लाजा पर कोरोना टेस्ट के लिए तैयार रहें। जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने रविवार को कोरोना की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कोरोना पर प्रभावी नियंत्रण के लिए 12 से 14, 15 से 17 और 18 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों के टीकाकरण के लिए सघन अभियान चलाने के निर्देश दिए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के क्षेत्र में आने वाले स्कूलों का जोन बनाकर टीकाकरण किया जाएगा।

अब यूपी के युवाओं को उद्यमी बनाने की तैयारी तेज, बनाया जा रहा एक्शन प्लान

» अगले 5 साल में हर परिवार से एक व्यक्ति को रोजगार देने का है लक्ष्य

» चुनाव के दौरान अपने संकल्प पत्र में भाजपा ने की थी घोषणा

» परियोजना की लागत को एक करोड़ करने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ लगातार दूसरी बार सत्ता में आयी योगी सरकार अपने कार्यकाल के पहले दिन से ही एक्शन मोड में है। मुख्यमंत्री ने न केवल सौ दिनों का एजेंडा तय कर दिया है बल्कि भाजपा के संकल्प पत्र की घोषणाओं को जमीन पर उतारने के लिए अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत अब युवाओं को उद्यमी बनाने की तैयारी शुरू हो गयी है। सरकार अगले पांच साल में हर परिवार से एक व्यक्ति को रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

योगी सरकार युवाओं के उद्यमी बनने की राह को और आसान बनाने जा रही है। अब प्रदेश के युवा उद्यमी बनकर दूसरे लोगों को रोजगार दे सकेंगे। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना में परियोजना लागत को 25 लाख से बढ़ाकर एक करोड़ करने की तैयारी है। इससे युवाओं को रोजगार के ज्यादा अवसर मिल सकेंगे। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत स्वरोजगार करने के इच्छुक युवाओं की सहायता का दायरा बड़ा किया जा रहा है। परियोजना लागत को बढ़ाकर 25 लाख से एक करोड़ किया जा रहा है। प्रदेश सरकार ने इसे 100 दिन की कार्ययोजना में शामिल किया है। परियोजना लागत बढ़ने से युवाओं को स्वरोजगार करने में आसानी होगी और पैसे की कमी नहीं होगी। साथ ही ज्यादा संख्या में रोजगार का सृजन होगा। इस योजना का लाभ पाने वाले युवा खुद तो उद्यमी बनेंगे ही साथ ही दूसरों को भी रोजगार दे सकेंगे। मुख्यमंत्री युवा स्वरोगार योजना की शुरुआत योगी सरकार ने 2018 में की थी। इस योजना के तहत जो युवा शिक्षित और पात्र हैं, उनको स्वरोजगार के लिए सरकार सहायता करती है। इसके तहत पात्र युवा लोन ले सकते हैं। प्रदेश सरकार सब्सिडी प्रदान करती है।

10 हजार लोगों की होगी भर्ती

प्रदेश में रोजगार सृजन को लेकर सीएम योगी बेहद गंभीर हैं। पिछले दिनों उन्होंने सभी बोर्ड के कार्मिकों के साथ बैठक करके भर्ती निकालने के आदेश जारी किए। इसके तहत 100 दिनों के अंदर 10 हजार लोगों की भर्ती की जाएगी। पुलिस विभाग में 100 दिनों में कम से कम 10,000 पुलिस कर्मियों की भर्ती सुनिश्चित की जाएगी।

तय किए गए लक्ष्य

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दे दिया कि सरकार 100 दिन, 6 माह और प्रति वर्ष के लक्ष्य को तय करके काम करेगी। बताया जा रहा है कि योगी सरकार इन्हीं 100 दिनों की कार्ययोजना के जरिए रोजगार, तकनीकी, विकास और सुधार की कसौटियों को परखेगी। कार्ययोजना में लोक कल्याण संकल्प पत्र के बिंदुओं को भी शामिल किया गया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

महामारी काल में सतर्कता जरूरी

भारत में एक बार फिर कोरोना लौटने लगा है। देश में चौबीस घंटे में 21 सौ से अधिक केस मिले हैं जबकि 214 लोगों की मौत महामारी से हुई है। दिल्ली की हालत सबसे खराब है। यहां संक्रमण दर 4.21 फीसदी पहुंच चुकी है। यूपी में भी कोरोना केसों में अचानक वृद्धि दर्ज की गयी है। इसके अलावा अन्य राज्यों में भी संक्रमण बढ़ रहा है। इसके कारण सरकार की चिंता बढ़ गयी है और पाबंदियों का दौर फिर से लौटता दिख रहा है। यूपी सरकार ने कई जिलों में मास्क पहनने को अनिवार्य कर दिया है। सवाल यह है कि क्या तेजी से बढ़ रहा संक्रमण कोरोना की चौथी लहर की आहट है? क्या कोरोना प्रोटोकॉल के पालन में कोताही ने हालात को बिगाड़ दिया है? क्या ओमिक्रॉन के अलावा एक्सई वैरिएंट का भी खतरा मंडराने लगा है? क्या वैक्सीनेशन में लापरवाही के कारण किशोरों में संक्रमण बढ़ा है? क्या एक और लहर से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें तैयार हैं? क्या केवल मास्क अनिवार्य करने भर से हालात पर नियंत्रण पाया जा सकता है?

सवाल यह है कि क्या तेजी से बढ़ रहा संक्रमण कोरोना की चौथी लहर की आहट है? क्या कोरोना प्रोटोकॉल के पालन में कोताही ने हालात को बिगाड़ दिया है? क्या ओमिक्रॉन के अलावा एक्सई वैरिएंट का भी खतरा मंडराने लगा है? क्या वैक्सीनेशन में लापरवाही के कारण किशोरों में संक्रमण बढ़ा है? क्या एक और लहर से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें तैयार हैं?

चीन और यूरोपीय देशों में कहर बरपा रहा कोरोना अब भारत में भी अपने तेवर दिखाने लगा है। तीसरी लहर खत्म होने के पहले ही यहां केसों की संख्या फिर से बढ़ने लगी है। चीन में तांडव मचा रहा एक्सई वैरिएंट भारत तक पहुंच चुका है। गुजरात और महाराष्ट्र के कुछ मरीजों में इसकी पुष्टि हो चुकी है। हालांकि अभी ओमिक्रॉन के केस ही अधिक मिल रहे हैं। इसके कारण ही देश में कोरोना की तीसरी लहर उत्पन्न हुई थी। सच यह है कि केंद्र की हिदायतों की अनदेखी के कारण हालात बिगड़े हैं। केसों की संख्या कम होने के कारण राज्य सरकारों ने सभी पाबंदियां हटा दी थी। कोरोना प्रोटोकॉल का भी पालन नहीं किया जा रहा था। लोगों ने मास्क पहनना और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना बंद कर दिया। लिहाजा जैसे ही पूर्व की भांति गतिविधियां शुरू हुईं, कोरोना का संक्रमण फिर से बढ़ने लगा। हालांकि ओमिक्रॉन वायरस डेल्टा की तरह घातक नहीं है लेकिन यह तेजी से संक्रमण फैलाता है। वहीं एक्सई वैरिएंट का भी खतरा बना हुआ है। अब जब कोरोना का खतरा सिर पर मंडराने लगा है तो राज्य सरकारें फिर से कोरोना प्रोटोकॉल के पालन पर जोर दे रही हैं। यूपी सरकार ने न केवल मास्क लगाने को अनिवार्य कर दिया है बल्कि वैक्सीनेशन विशेषकर बच्चों को टीका लगाने पर जोर दे रही है। जाहिर है यदि राज्य सरकारें कोरोना के खतरे से निपटना चाहती हैं तो उन्हें न केवल बच्चों को टीका लगाने की रफ्तार बढ़ानी होगी बल्कि कोरोना प्रोटोकॉल का लंबे समय तक पालन भी सुनिश्चित कराना होगा अन्यथा हालात बेकाबू हो सकते हैं।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

श्रीलंका का संकट और भारत

अश्विनी महाजन

पिछले कुछ समय से श्रीलंका अत्यंत विकट आर्थिक समस्या से गुजर रहा है। सरकार को समझ नहीं आ रहा है कि इससे कैसे निपटा जाए। श्रीलंका पूर्व में दुखद गृहयुद्ध की स्थिति से निकल चुका है जो 26 वर्ष चला और 2009 में समाप्त हो गया, लेकिन गृहयुद्ध के बावजूद उसे आर्थिक संकट से नहीं गुजरना पड़ा। इस वर्ष जनवरी के बाद श्रीलंका में खाने और ईंधन की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि और उसके बाद सामान की भारी कमी जीना दूभर कर रही है। 2020 में श्रीलंका की प्रतिव्यक्ति आय बाजार विनिमय दर के हिसाब से 4053 डॉलर वार्षिक और क्रयशक्ति समता के आधार पर 13537 डॉलर वार्षिक थी, जो भारत से कहीं अधिक थी। संयुक्त राष्ट्र की मानव विकास रिपोर्ट (2020) में श्रीलंका का स्थान 72वां था जबकि भारत 131वें स्थान पर था।

पूर्व के शासनाध्यक्षों और वर्तमान राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे और उनके बड़े भाई प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने काफी नीतिगत गलतियां कीं, जिससे यह संकट खड़ा हुआ। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने श्रीलंका की साख रैंकिंग काफी नीचे कर दी है। श्रीलंका अंतरराष्ट्रीय पूंजी बाजार से बाहर हो गया है। इसके चलते वह अपने विदेशी उधार का पुनर्वित्तियन नहीं करा सका। विदेशी मुद्रा की कमी के कारण श्रीलंका की करेंसी का अवमूल्यन शुरू हो गया। जब सरकार ने आयात को नियंत्रित करना शुरू किया तो वस्तुओं, खास तौर पर ईंधन और खाद्य पदार्थों का अभाव होना शुरू हो गया। सरकार का मानना था कि इससे विदेशी मुद्रा बचेगी और घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे निर्यात भी बढ़ेगा, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। कर्ज भुगतान में कोताही रोकने के लिए श्रीलंका सरकार को अपने स्वर्ण भंडार बेचने पड़े तथा भारत व चीन से करेंसी स्वैप समझौते करने पड़े। श्रीलंका परंपरागत रूप से पर्यटकों का आकर्षण का केंद्र रहा है और विदेशी मुद्रा अर्जित करने में पर्यटन का खासा योगदान रहा है, पर महामारी के चलते पिछले साल पर्यटन से होनेवाली आमदनी लगभग पांच अरब डॉलर घट गयी।

श्रीलंका ने अत्यंत गैर जिम्मेदाराना तरीके से अचानक पूरी तरह से जैविक खेती की ओर बढ़ने का फैसला लिया और रासायनिक खाद पर पाबंदी लगा दी गयी। इससे कृषि उत्पादन बुरी तरह प्रभावित हुआ और कृषि उत्पादों की कीमतें बेतहाशा बढ़ने लगीं। इससे चाय निर्यात पर भी असर हुआ। बिना सोचे-समझे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों में की गयी कमी ने परिस्थितियां और बिगाड़ दीं। सरकारी खर्च के कारण बजट घाटा बढ़ता गया और उसके लिए ज्यादा नोट छापने के कारण मुद्रा का प्रसार बढ़ा और स्वाभाविक तौर पर महंगाई भी बढ़ी।

जब आयात पर रोक लगी तो खाने-पीने और ईंधन की कमी तो हुई ही निर्यात करने वाले उद्योग भी कच्चा माल और आवश्यक मध्यवर्ती वस्तुएं न मिलने के कारण प्रभावित होने लगे। इससे निर्यात में खासी कमी आयी। एक तरफ 10 अरब डॉलर का व्यापार घाटा और दूसरी तरफ भारी विदेशी कर्ज और उसमें भी बड़ी मात्रा में संप्रभु बांड, ऋण पुनर्भुगतान की समस्या श्रीलंका के लिए एक बुरे सपने से कम नहीं है। इन सब के ऊपर चीन के चंगुल में फंसकर जैसे श्रीलंका ने इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर भारी कर्ज उठाया, उसने बदहाली की रही-सही कसर भी पूरी कर दी। बिगड़ती स्थिति के कारण बड़ी संख्या में तमिल शरणार्थी तमिलनाडु के समुद्री तट पर पहुंच रहे हैं। मानवता के नाते उनकी मदद करना भारत और तमिलनाडु सरकार की प्राथमिकता रहेगी। इसके अलावा सरकार ने एक अरब डॉलर का उधार श्रीलंका को दिया है और 50 करोड़ डॉलर की सहायता भी दी है, ताकि वह आवश्यक पेट्रोलियम उत्पाद खरीद सके। श्रीलंका सरकार ने अतिरिक्त 1.5 अरब डालर की मदद भी भारत सरकार से मांगी है। एक पड़ोसी और मित्र देश होने के नाते भारत हर संभव सहायता दे रहा है और भविष्य में भी इसके जारी रहने की उम्मीद है लेकिन संकट के समय सहायता देना ही पर्याप्त नहीं होगा. श्रीलंका के सामने इस आसन्न संकट से निपटने के लिए भारत को समाधान की ओर भी ले जाना होगा। भारत सरकार इस मामले में मात्र उधार देने के अतिरिक्त यह भी प्रयास कर सकती है कि श्रीलंका के इस उधार का पुनर्गठन हो और उसे राहत मिले। कृषि के पुर्नउत्थान, उद्योगों में कच्चे माल की कमी के कारण आयी अस्थिरता, आम लोगों के लिए आवश्यक वस्तुओं की कमी को दूर करने हेतु प्रयासों के साथ-साथ भारत संप्रभु ऋण की अदायगी हेतु मदद प्रदान कर श्रीलंका के लोगों का दिल तो जीत ही सकता है, साथ ही साथ चीन के चंगुल में फंसे अपने इस पुराने मित्र देश को पुन: विकास के पथ पर अग्रसर कराने का महत्वपूर्ण कार्य भी कर सकता है।

जर्जर सड़कों और जल भराव से जूझ रहे नगरवासी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की सड़कें खस्ताहाल स्थिति में है। एलडीए व नगर निगम भी मूलभूत समस्याओं पर ध्यान नहीं देता है। इससे समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। मंत्री विधायक के घर के सामने की सड़कें तो चमचमाती है मगर शहरों की सड़कें गड्ढायुक्त है। सीवर की भी समस्या है। 4पीएम के संवाददाता क्षितिज कान्त ने जब इस मुद्दे पर लखनऊवासियों से बात की तो उन्होंने कुछ इस तरह जाहिर की अपनी चिंता।

डी. एस. पांडेय ने कहा जनेश्वर मिश्र पार्क से गोमती नगर विस्तार जाने वाली मुख्य सड़क है। यहां सीवर का पानी बारह महीने बहता है, इससे काफी बीमारियां होती हैं। यह लखनऊ का पॉश एरिया है लेकिन सबसे खराब हालत यहां की सड़कों का है। इस समस्या से निजात नहीं मिल रही है। शिकायत के बाद भी हालात नहीं सुधर रहे हैं। 500 घर हैं। सभी मकान का कर देते हैं लेकिन कर लेने के बाद किसी प्रकार की सुविधा नहीं मिल रही है। नगर निगम भी हीलाहवाली करता है। सड़कों को देखकर लगता है किसी गांव में रह रहे हैं। मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

मानसिंह ने कहा, यहां लोग अक्सर तेज रफ्तार से गाड़ी निकालते हैं जिससे राहगीरों पर सीवर के पानी के छींटे पड़ते हैं। लखनऊ का पॉश एरिया होने के कारण यहां से सभी बड़े अधिकारी गुजरते हैं। मुख्यमंत्री भी निकलते हैं लेकिन कोई भी समस्या से लोगों को निजात नहीं दिला पा रहा है। नगर निगम से लेकर एलडीए और मुख्यमंत्री पोर्टल तक में शिकायत की गयी लेकिन कहीं भी सुनवाई नहीं हुई। चुनाव से पहले भाजपा नेता वोट मांगने आए थे। उन्होंने आश्वासन दिया था कि पहली कैबिनेट बैठक में ही इस समस्या का समाधान कर दिया जाएगा। रोड का बेहतर निर्माण कराया जाएगा लेकिन अभी तक हालात नहीं बदले हैं।

ओंकार वर्मा बताते हैं कि जनेश्वर मिश्र पार्क हाई टेक पार्क है। शासन-प्रशासन को इस पर ध्यान देना चाहिए लेकिन किसी का ध्यान आम लोगों की समस्याओं पर नहीं है। यहां सीवर का गंदा पानी हमेशा बहता रहता है। गंदगी के कारण संक्रमण का खतरा बना हुआ है। शिकायत का भी कोई असर नहीं पड़ रहा है। लिहाजा हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं।

राजन बताते हैं कि यहां की सड़कों पर सीवर का गंदा पानी हमेशा भरा रहता है। शिकायत भी की गयी। एलडीए और नगर निगम में भी लिखित शिकायत की गयी लेकिन नतीजा कुछ भी नहीं निकला। हां, अधिकारी आश्वासन देकर लोगों को चलता कर देते हैं। हैरानी की बात यह है कि इतनी प्राइम लोकेशन के बाद भी यहां वाटर लाइन की असुविधा है। हर घर नल का दवा यहां फेल है। सरकार सीवर की समस्या से भी निजात नहीं दिलाती है। धरातल पर कोई काम होता नहीं दिख रहा है।

हीट स्ट्रोक के खतरे को कम करने के लिए बच्चों के डाइट में एड करें

हेल्दी फूड्स और ड्रिंक्स

इन दिनों गर्मी बेहद खतरनाक स्तर पर है। ये स्थिति स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती है। इस बढ़ती गर्मी में खासतौर पर स्कूल जाने वाले बच्चे लू की चपेट में सबसे ज्यादा आते हैं। चिलचिलाती धूप बच्चों में डिहाड्रेशन का कारण बन सकती है और वे हीट स्ट्रोक का शिकार हो सकते हैं। बच्चों के लिए इस भीषण गर्मी में ठंडा रहने के लिए कुछ हेल्दी और नैचुरल फूड ऑप्शन के बारे में जान लें। इन फूड्स का इस्तेमाल करके आप अपने बच्चों को हीट स्ट्रोक के खतरे काफी हद तक बचा सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे...।

सत्तू

सत्तू को गरीबों के प्रोटीन के रूप में जाना जाता है और इसे भुने चने से बनाया जाता है। सत्तू खाने या पीने से लू लगने का खतरा काफी कम हो जाता है। सत्तू से बने पेय का ताजा स्वाद बच्चों को विशेष रूप से पसंद आता है।

तरबूज

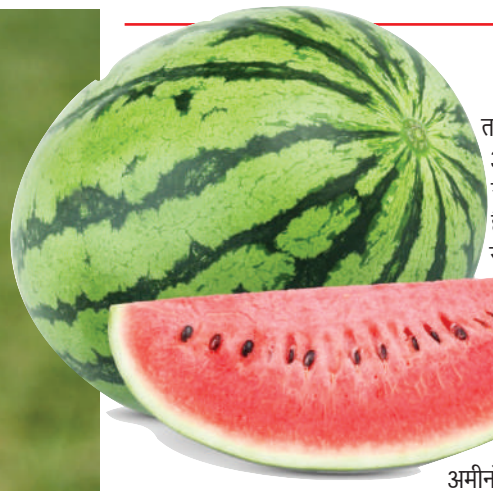

तरबूज में 90 प्रतिशत से अधिक पानी होता है। यह सबसे रसदार फलों में से एक है जो गर्मियों में हाइड्रेटेड रहने में मदद करता है। तरबूज साइट्रलाइन नामक अमीनो एसिड से भी भरपूर होता है। यह एक आवश्यक अमीनो एसिड है, जो हमारे दिल और रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए फायदेमंद होता है।

छाछ

छाछ को दही, पानी और नमक से बनाया जाता है। यह पारंपरिक पेय हाइड्रेटेड रहने के लिए एकदम सही है। छाछ पाचन में सुधार करने में भी मदद करती है।

नींबू पानी

नींबू पानी ताजा नींबू के रस, पानी, चीनी और नमक से तैयार किया जाता है। नींबू कई आवश्यक विटामिन और खनिजों जैसे विटामिन सी, विटामिन बी 6 और पोटेशियम से भरपूर होते हैं। शिकंजी भारत का प्रसिद्ध पारंपरिक नींबू पेय है।

आम

आम में 80 प्रतिशत से अधिक पानी की मात्रा होती है और गर्मियों के दौरान यह एक आइडियल फूड ऑप्शन है। आम को फलों का राजा भी कहा जाता है और सभी आयु वर्ग के लोग इसे पसंद करते हैं. आप अपने बच्चे को मैंगो स्मूदी के रूप में भी आम दे सकते है।

हंसना मना है

एक बार एक दामाद शराब पीकर घर लौटा... फिर ससुराल वालों से बचने के लिए चुपचाप सूटकेस खोलकर काम करने लगा... ससुर- आज फिर पीकर आए हैं... दामाद- नहीं... ससुर- तो, सूटकेस खोल के क्या रेडियो स्टेशन लगा रहे हैं।

टीटू ने नाई की दुकान खोली शीटू एक दिन टीटू की दुकान पर शेविंग कराने आया... टीटू ने शीटू से पूछा- मूंछ रखनी हैं, क्या ? शीटू- हां टीटू मूंछ काट कर बोला- ले रख ले, जहां तुझे रखनी हैं।

रात को 12 बजे दादाजी के फोन की घंटी बजी दादाजी - हेलो कौन? लड़की - हम तेरे बिन अब रह नहीं सकते, तेरे बिना क्या वजूद मेरा। दादाजी (खुश होकर) - कौन हैं आप? लड़की - तुझसे जुदा अगर हो जायेंगे तो खुद से भी हो जाएंगे जुदा। खुशी के मारे दादाजी की आंखों में पानी आ गया। वो बोले - तुम सच में मुझसे शादी करोगी...? लड़की - इस गाने को अपनी कॉलर ट्यून बनाने के लिए 8 दबाएं।

बेटा - पापा बुलेट दिलवा दो.. पापा - पड़ोस की लड़की को देख नालायक, बस से जाती है। बेटा हां पापा, यही तो देखा नहीं जाता।

मोहन- ठंडा लोगे या गरम? मेहमान- दोनों ले आओ... मोहन- सुनती हो.. एक गिलास फ्रीजर से और दूसरा गिलास गीजर से पानी ले आओ...

कहानी — सियार और ढोल

एक बार एक जंगल के निकट दो राजाओं के बीच घोर युद्ध हुआ। एक जीता दूसरा हारा। सेनाएं अपने नगरों को लौट गईं। बस सेना का एक ढोल पीछे रह गया। उस ढोल को बजा-बजाकर सेना के साथ गए भाट व चारण रात को वीरता की कहानियां सुनाते थे। युद्ध के बाद एक दिन आंधी आई। आंधी के जोर में वह ढोल लुढ़कता-पुढ़कता एक सूखे पेड़ के पास जाकर टिक गया। उस पेड़ की सूखी टहनियां ढोल से इस तरह से सट गई थीं कि तेज हवा चलते ही ढोल पर टकरा जाती थीं और ढमाढम-ढमाढम की गुंजायमान आवाज होती। एक सियार उस क्षेत्र में घूमता था। उसने ढोल की आवाज सुनी। वह बड़ा भयभीत हुआ। ऐसी अजीब आवाज बोलते पहले उसने किसी जानवर को नहीं सुना था। वह सोचने लगा कि यह कैसा जानवर है, जो ऐसी जोरदार बोली बोलता है ढमाढम। सियार छिपकर ढोल को देखता रहता, यह जानने के लिए कि यह जीव उड़ने वाला है या चार टांगों पर दौड़ने वाला। एक दिन सियार झाड़ी के पीछे छुपकर ढोल पर नजर रखे था। तभी पेड़ से नीचे उतरती हुई एक गिलहरी कूदकर ढोल पर उतरी। हलकी-सी ढम की आवाज भी हुई। गिलहरी ढोल पर बैठी दाना कुतरती रही। सियार बड़बड़ाया, ओह! तो यह कोई हिंसक जीव नहीं है। मुझे भी डरना नहीं चाहिए। सियार फूंक-फूंककर कदम रखता ढोल के निकट गया। उसे सूंघा। ढोल का उसे न कहीं सिर नजर आया और न पैर। तभी हवा के झोंके से टहनियां ढोल से टकराईं। ढम की आवाज हुई और सियार उछलकर पीछे जा गिरा। अब समझ आया, सियार उठने की कोशिश करता हुआ बोला, यह तो बाहर का खोल है। जीव इस खोल के अंदर है। आवाज बता रही है कि जो कोई जीव इस खोल के भीतर रहता है, वह मोटा-ताजा होना चाहिए। चर्बी से भरा शरीर। तभी ये ढम-ढम की जोरदार बोली बोलता है। अपनी मांद में घुसते ही सियार बोला, ओ सियारी! दावत खाने के लिए तैयार हो जा। एक मोटे-ताजे शिकार का पता लगाकर आया हूं। सियारी पूछने लगी, तुम उसे मारकर क्यों नहीं लाए? सियार ने उसे झिड़की दी, क्योंकि मैं तेरी तरह मूर्ख नहीं हूं। वह एक खोल के भीतर छिपा बैठा है। खोल ऐसा है कि उसमें दो तरफ सूखी चमड़ी के दरवाजे हैं। मैं एक तरफ से हाथ डाल उसे पकड़ने की कोशिश करता तो वह दूसरे दरवाजे से न भाग जाता? चांद निकलने पर दोनों ढोल की ओर गए। जब वे निकट पहुंच ही रहे थे कि फिर हवा से टहनियां ढोल पर टकराईं और ढम-ढम की आवाज निकली। सियार सियारी के कान में बोला, सुनी उसकी आवाज? जरा सोच जिसकी आवाज ऐसी गहरी है, वह खुद कितना मोटा ताजा होगा। दोनों ढोल को सीधा कर उसके दोनों ओर बैठे और लगे दांतों से ढोल के दोनों चमड़ी वाले भाग के किनारे फाड़ने। जैसे ही चमड़ियां कटने लगी, सियार बोला, होशियार रहना। एक साथ हाथ अंदर डाल शिकार को दबोचना है। दोनों ने हूं की आवाज के साथ हाथ ढोल के भीतर डाले और अंदर टटोलने लगे। अंदर कुछ नहीं था। एक-दूसरे के हाथ ही पकड़ में आए। दोनों चिल्लाए हैं। यहां तो कुछ नहीं है। और वे माथा पीटकर रह गए।

सीख : बड़ी-बड़ी शेखी मारने वाले लोग भी ढोल की तरह ही अंदर से खोखले होते हैं।

10 अंतर खोजें

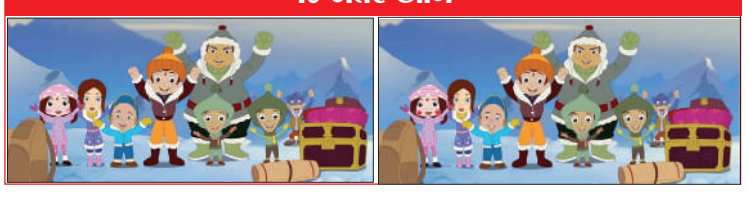

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

जल्दबाजी में फैसले न लें। खासतौर पर अहम आर्थिक सौदों में मोलभाव करते वक्त। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें।

वृषभ

आपके खर्चों में बढ़ोतरी होगी, जो आपके लिए परेशानी का सबब साबित हो सकती है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा।

मिथुन

आज आपके लिए आय के नए स्त्रोत बनेंगे। आपकी व्यवसायिक स्थिति में सुधार होगा। आप एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केंद्र होंगे।

कर्क

आपके प्यार की राह में आने वाली बाधाएं दूर होंगी। ऐसे में आप खुद को अपने साथी के और करीब महसूस करेंगे। इसके साथ ही आपके परिवार वाले भी आपकी बात से सहमत होंगे।

सिंह

अपने साथी और दोस्तों के साथ समय व्यतीत करें। आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।

कन्या

आज का दिन आपके लिए रोमांस के लिहाज से काफी अच्छा है। इसके अलावा आज आप उस व्यक्ति से मिल सकते हैं जो आपके प्रति आकर्षित है।

तुला

अपने साथी से वियोग के चलते दुखी हैं। आज ऐसा हो सकता है कि आप उनसे दोबारा जुड़ाव महसूस करें। लेकिन आज के दिन आपकी उनसे मुलाकात नहीं होगी।

वृश्चिक

आज आपको अपने पार्टनर और परिवार के लोगों से भी प्यार मिलेगा। इसके चलते आज आप पूरे दिन प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। दिन का लुत्फ उठाएं।

धनु

लेन-देन सावधानी से करें। एकतरफा प्यार आपको निराश कर सकता है। नई योजनाएं आकर्षक होंगी और अच्छी आमदनी का जरिया साबित होंगी।

मकर

आपका अपने साथी के साथ किसी बात को लेकर मतभेद हो सकता है। ऐसे में जरूरत होगी कि आप गैर-जरूरी बातों पर ध्यान ना दें। साथी पर गुस्सा होने से बचें।

कुम्भ

पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके खर्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा।

मीन

इस राशि के जातकों की उनके पुराने पार्टनर से मुलाकात हो सकती है। इस मुलाकात से आपकी पुरानी यादें ताजा होंगी। आप उस व्यक्ति से जुड़ाव महसूस कर सकते हैं।

बॉलीवुड | हैप्पी ईस्टर

प्रियंका चोपड़ा ने पति निक जोनस के साथ मनाया ईस्टर

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा पिछले तीन सालों से 'हैप्पी ईस्टर' अपने पति पॉप सिंगर निक जोनस के साथ सेलिब्रेट कर रही हैं। इस बार भी दोनों ने लॉस एंजेलिस में ईस्टर मनाया और इसकी कुछ खूबसूरत तस्वीरों को प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया, जिसमें निक के साथ रोमांटिक मूड में देखी जा सकती हैं। अपने ईस्टर की तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए प्रियंका ने कैप्शन में लिखा, हम सभी की तरफ से आपको सभी को हैप्पी ईस्टर फ्रॉम यूएस। इसके साथ उन्होंने हैचिंग चिक, रेड हार्ट और मुस्कुराते हुए चेहरे के साथ तीन दिल वाले इमोजी शेयर की हैं। फोटो में प्रियंका येलो क्रॉप टॉप के साथ मैचिंग स्कर्ट और व्हाइट हील्स पहने हुई दिख रही हैं। वहीं निक जोनस कलरफुल टी-शर्ट, डेनिम्स और व्हाइट स्नीकर्स और डार्क सनग्लासेज में स्मार्ट लग रहे हैं। पहली तस्वीर में प्रियंका और निक जोनस ग्रीन झाड़ी के सामने मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं, फोटो के बैकग्राउंड में दोनों के ऊपर बड़े-बड़े खरगोश के कान भी दिख रहे हैं। दूसरी तस्वीर में प्रियंका और निक ने गार्डन के बीच एक-दूसरे के बेहद क्लोज दिख रहे हैं। इसके बाद उन्होंने अपनी सनकिस्ड सेल्फी शेयर की हैं। चौथी फोटो में निक को डाइनिंग टेबल के साथ देखा जा सकता है। आपको बता दें कि प्रियंका चोपड़ा इन दिनों मदरहुड एन्जॉय कर रही है। हाल ही में वो सेरोगेसी के जरिए मां बनीं प्रियंका यूएस में रह कर अपनी प्यारी बेटी का ख्याल रख रही हैं। शायद यही वजह है कि वह अभी लाइम लाइट से दूर हैं। उनकी बेटी अब दो महीने की होने वाली है।

एक बार फिर एक्टिंग का दम दिखाएंगी करिश्मा कपूर

करिश्मा कपूर एक बार फिर से दर्शकों को अपनी एक्टिंग का दम दिखाने वाली हैं। उन्होंने अपने नए प्रोजेक्ट की घोषणा की है। करिश्मा कपूर दो साल बाद फिर से एक्टिंग करती दिखाई देंगी। करिश्मा कपूर को आखिरी बार ऑल्ट बालाजी की वेब सीरीज मेंटलहुड में एक्टिंग करते हुए देखा गया है। हालांकि उनकी यह वेब सीरीज ज्यादा चर्चा में नहीं रही थी। अब एक बार फिर से करिश्मा कपूर ने एक्टिंग करने का फैसला किया है। उनके नए प्रोजेक्ट का नाम ब्राउन है। इस बात की जानकारी करिश्मा कपूर ने सोशल मीडिया के जरिए दी है। करिश्मा कपूर सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहने रहती हैं। अपने फैंस से जुड़े रहने के लिए वह अक्सर खास तस्वीरें और वीडियो भी शेयर करती करती रहती हैं।

करिश्मा कपूर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी लेटेस्ट

बॉलीवुड | मसाला

तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में एक क्लप बोर्ड दिखाई दे रहा है। वहीं क्लप बोर्ड की पीछे करिश्मा कपूर की आंखे नजर आ रहे हैं। बोर्ड पर प्रोजेक्ट का नाम ब्राउन लिखा है। हालांकि ब्राउन उनकी फिल्म है या वेब सीरीज अभी इसका खुलासा नहीं हो पाया है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए करिश्मा कपूर ने खास कैप्शन भी लिखा है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, नई शुरुआत। सोशल मीडिया पर करिश्मा कपूर की यह तस्वीर वायरल हो रही है। अभिनेत्री के फैंस उनकी तस्वीर को खूब पसंद कर रहे हैं। साथ ही कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। वहीं करिश्मा कपूर की बहन करीना कपूर खान ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर बहन के नए प्रोजेक्ट की तस्वीर शेयर की है। आपको बता दें कि ब्राउन का निर्देशन फिल्म डेली बेली, फोर्स 2 और ब्लैकमेल जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके अभिनय देव कर रहे हैं। ब्राउन एक थ्रिलर क्राइम ड्रामा होगी। इसमें करिश्मा कपूर के साथ अभिनेता सूर्य शर्मा मुख्य भूमिका में होंगे। सूर्य शर्मा वेब सीरीज अनदेखी से काफी सुर्खियां बटोर चुके हैं। इस वेब सीरीज में उन्होंने रिंकू पाजी का किरदार निभाया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। करिश्मा कपूर और सूर्य शर्मा के फैंस उन्हें एक साथ एक्टिंग करते हुए देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। करिश्मा कपूर फिलहाल काफी दिनों से फिल्मों से दूर हैं। करिश्मा ओटीटी पर एक एड फिल्म शूट कर रही है।

अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर ने शुरू की 'द लेडी किलर' की शूटिंग

अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर अपनी अपकमिंग फिल्म द लेडी किलर की शूटिंग हिमाचल प्रदेश के मनाली में शुरू कर दी है। फिल्म की शूटिंग शुरू होने की जानकारी एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर तस्वीरें और वीडियो शेयर कर दी है। इन तस्वीरों को भूमि पेडनेकर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की हैं। उन्होंने सोलांग वैली की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, कुछ दिनों के लिए यही हमारा घर है। साथ ही उन्होंने एक वीडियो भी शेयर कर है, जिसको देख कर मालूम होता है कि एक्ट्रेस किसी हवाई जाहज में बैठी हुई हैं और उसी दौरान इस वीडियो को बनाया है। एक्ट्रेस ने रविवार को उन्होंने एक तस्वीर शेयर कर बताया था कि वो फिल्म द लेडी किलर के शेड्यूल की शूटिंग के लिए अर्जुन कपूर के साथ रवाना हो रही हैं। इस तस्वीर में वो अर्जुन कपूर के साथ पोज देती दिख रही हैं। फोटो को इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर कर उन्होंने लिखा, लेडी विद द किलर। वहीं, अर्जुन कपूर ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वो कई पर्वत नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर को इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर कर अभिनेता ने लिखा, नई शुरुआत फिल्म नंबर 18 यहां शुरू होती है। सस्पेंस ड्रामा से भरपूर इस फिल्म में निर्माता फैंस को एक छोटे शहर के प्लेबॉय की कहानी से रूबरू कराएंगे।

अजब-गजब | हर सेकंड निगल रहा 48000 क्यूबिक फीट पानी

झील के बीच फिर से खुला 'नर्क का दरवाजा'

इस दुनिया में कई ऐसी रहस्मयी चीजें हैं। वहीं प्रकृति भी अपने आप में कई रहस्यों से भरी हुई है। ऐसी एक रहस्मयी झील है, जिसके बीच में एक विशाल छेद है। यह झील अमेरिका के केलिफोर्निया में है। इस छेद को स्थानीय लोग नर्क का दरवाजा कहते हैं। पहले यह छेद बंद हो गया था लेकिन अब यह फिर से खुल गया गया है। यह बहुत ही खतरनाक है। दरअसल, यह झील पूर्वी नापा काउंटी में मोंटिसेलो बांध के ऊपर स्थित है, वहां पर ये होल है।

पोर्टल टू हेल

स्थानीय लोग झील के बीच स्थित इस छेद को पोर्टल टू हेल यानि नर्क का दरवाजा कहते हैं। अब यह दोबारा खुल गया है और इसकी वजह से लोगों में डर का माहौल है। वहीं आधिकारिक रूप से इस छेद का नाम ग्लोरी होल है। यह होल करीब 72 फीट चौड़ा है। बताया जा रहा है कि झील का स्तर बढ़ने के बाद ये फिर से खुल गया है। इस छेद के चारों ओर पानी का भंवर रहता है, जो काफी विशाल है।

15.5 फीट के जलस्तर पर खुलता है

रिपोर्ट के अनुसार बांध के एक अधिकारी का कहना है कि एक 72 फीट चौड़ी और 245 फीट लंबी सुरंग नाले के छेद के रूप में कार्य करती है। जब झील के पानी का स्तर 15.5 फीट से ऊपर हो जाता है तो ये प्रति सेकंड लगभग 48,000 क्यूबिक फीट पानी निगलती है। वर्ष 2017 में जब ये छेद खुला था, तो लोग इसे देखकर डर गए थे। इसके बाद वर्ष 2019 में वहां पर बारिश के बाद झील का जलस्तर बढ़ा और फिर से ये छेद खुला, जिसके बाद बड़ी संख्या में पर्यटक इसे देखने पहुंचे थे।

नहाना-तैरना है प्रतिबंधित

वर्ष 2019 में जब ये छेद वापस खुला तो एक बत्तख यहां पर हादसे का शिकार हो गई थी। वह उस ग्लोरी होल में गिर गई थी। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। हालांकि बांध प्रबंधन ने दावा किया था कि वह बत्तख सुरक्षित बच गई थी। वहीं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वहां पर तैरना और नहाना प्रतिबंधित है।

महिला की हो गई थी मौत

बताया जाता है कि 1950 के दशक में इंजीनियरों ने इसे अधिक सामान्य साइड च्यूट के विकल्प के रूप में बनाया था, जो एक बांध से पानी के आउट फ्लो को नियंत्रित करता है। यह पूरी तरह से सीमेंट से निर्मित है। वर्ष 1997 में इसमें एक महिला गिर गई थी। एमिली श्वालेक नाम की महिला 20 मिनट तक रिम से चिपकी रही लेकिन इसके बाद उसकी मौत हो गई थी।

भारत के इस गांव में चमगादड़ों की पूजा करते हैं लोग, हैरान करने वाली है वजह

दो साल पहले यानी साल 2020 में चीन के वुहान शहर से निकलने कोरोना वायरस ने दुनियाभर में हाहाकार मचा दिया था। हालांकि, कोरोना के मामले अब कम होने लगे हैं लेकिन खतरा पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। जब कोरोना फैला तो माना गया कि ये चमगाड़ों की वजह से फैला होगा। कोरोना वायरस के फैलने की वजह भी चमगादड़ को ही माना जा रहा है। लेकिन इस बात के ठोस सबूत आज तक नहीं मिले। बता दें कि वैसे भी चमगादड़ों को अशुभ माना जाता है लेकिन आज हम भारत के एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं जहां के लोग चमगादड़ों की पूजा करते हैं। वैसे तो जैसे ही कोई चमगादड़ का नाम सुनता वैसे ही हर किसी के मन में अशुभ आशंकाएं उभरने लगती हैं। लेकिन बिहार के वैशाली जिले में एक ऐसा मंदिर हैं, जहां चमगादड़ों को ग्राम देवता माना जाता है और यहां के लोग चमगादड़ों की पूजा करते हैं। यहां के लोगों का मानना है कि चमगादड़ संपन्नता की प्रतीक हैं जहां वह हरती हैं वहीं धन की कभी कमी नहीं होती। दरअसल, बिहार के वैशाली जिले के सरसई गांव में हजारों की संख्या में चमगादड़ों का बसेरा है। चमगादड़ों के वजह से ही यह गांव काफी मशहूर हो चुका है। यहां के लोगों का मानना है कि चमगादड़ उनके पूरे गांव की रक्षा करते हैं। इतना ही नहीं चमगादड़ों को देखने के लिए इस गांव में काफी संख्या में पर्यटक भी आते हैं। सरसई गांव के लोगों का मानना है कि चमगादड़ जब से आए हैं, इस गांव में हमेशा खुशियां रहती हैं। गांव के लोग कोई भी शुभ कार्य करने से पहले चमगादड़ों की पूजा करते हैं। सरसई गांव के लोगों का कहना है कि इस मंदिर में मौजूद चमगादड़ों को देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं, लेकिन ये चमगादड़ किसी को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते। वहीं रात में अगर कोई गांव से बाहर का व्यक्ति आ जाए, तो ये चमगादड़ शोर मचाना शुरु कर देते हैं। उसके बाद गांव के लोग सचेत हो जाते हैं। लेकिन जब इसी गांव का कोई शख्स रात के समय गांव में आता है तो ये चमगादड़ कुछ नहीं कहते हैं।

भाजपा राज में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर किया जा रहा प्रहार: अखिलेश

» प्रदेश में चल रही शासन सत्ता की मनमानी, अपराधी मचा रहे तांडव

» सत्ता के डबल इंजन की गाड़ी से रौंदे जा रहे लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बार फिर भाजपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा है कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था का बुरा हाल है। हर तरफ दूनी रफ्तार से अपराधी अपना आतंक फैला रहे हैं। भाजपाइयों द्वारा सत्ता के डबल इंजन की गाड़ी से लोगों को रौंदने का सिलसिला चल रहा है। भाजपा राज में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर निर्मम प्रहार हो रहा है। उत्तर प्रदेश में अपराधी बेलगाम हो रहे हैं। भाजपा सरकार में न्याय नहीं हर तरफ शासन सत्ता की मनमानी चल रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा विधायक की गाड़ी से लखीमपुर खीरी में कुचलकर दो भाइयों की मौत हो गई। बुलन्दशहर में दो नाबालिग बच्चियां अगवा हो गईं जिनका अता-पता नहीं चला है। पुलिस ने न एफआईआर दर्ज की न कोई जांच शुरू की। राजधानी लखनऊ में बदमाशों ने तांडव किया। 20 बदमाशों ने मिलकर 5 थाना क्षेत्रों में उत्पात मचाया, कार सवारों पर बमबाजी और फायरिंग की। पुलिस-प्रशासन हाथ पर हाथ धरे बैठा रहा। उन्होंने कहा कि रामपुर में नैनीताल हाई-वे पर कल दिन दहाड़े फाइनेंस कंपनी के एजेंट की हत्या उसकी मां के सामने की गई। प्रयागपुर-बहराइच में भाई -भतीजों ने एक दंपति का डबल मर्डर कर दिया। लोकतंत्र की बड़ी-बड़ी बातें करने वाले भाजपाइयों के राज में पत्रकार सर्वाधिक उत्पीड़न के शिकार हो रहे हैं। अयोध्या के बीकापुर में सत्ता संरक्षित दबंगों द्वारा पत्रकार पर जानलेवा हमला किया गया। बलिया में पत्रकारों की गिरफ्तारी के खिलाफ आंदोलन चल रहा है। झांसी में भी पत्रकार पर हमला बोला गया। निर्दोष पिस रहे हैं और गरीब की कहीं सुनवाई नहीं हो रही है यही भाजपा राज की सच्चाई है।

नौकरी से हटाए गए स्वास्थ्यकर्मियों ने सपा प्रमुख से की मुलाकात

सपा प्रमुख अखिलेश यादव से आज स्वास्थ्यकर्मियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने भेंटकर उन्हें अचानक नौकरी से हटाए जाने की जानकारी देते हुए सेवा में पुनः बहाली की मांग का ज्ञापन सौंपा। सेवा से वंचित स्वास्थ्य कर्मियों ने ज्ञापन में कहा है कि विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में 30 हजार स्वास्थ्य कर्मियों की भर्ती की समय सीमा मार्च 2020 से 5 मार्च 2022 तक बढ़ाई गई थी। 5 मार्च 2022 को उनकी सेवाएं बिना नोटिस दिए अचानक स्थाई रूप से समाप्त कर दी गई। 5 मार्च 2022 से सभी स्वास्थ्यकर्मी बेरोजगारी में भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं।

रिश्वत लेते बीएसएनएल के एजीएम को सीबीआई ने रंगे हाथ दबोचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। सीबीआई की टीम ने बीएसएनएल के एजीएम को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एजीएम बिल पास करने के एवज में फर्म संचालक से रुपयों की मांग कर रहे थे। सीबीआई की कार्रवाई से हड़कंप मचा है।

गोरखपुर की सैप आईटी साल्यूशन फर्म, बीएसएनएल में केबिल बिछाने का काम कर रही है। फर्म संचालक दुर्गेश प्रताप सिंह ने सीबीआई में शिकायत की थी कि उनका बिल पास करने के लिए एजीएम चार हजार रुपये रिश्वत मांग रहे हैं। सोमवार को सीबीआई की सात सदस्यीय टीम गोरखपुर के शास्त्री चौक स्थित बीएसएनल के महाप्रबंधक कार्यालय पहुंची। ठेकेदार ने जैसे ही एजीएम को चार हजार रुपये की रिश्वत दी, सीबीआई के सदस्यों ने एजीएम को रंगेहाथ पकड़ लिया। देर शाम तक पूछताछ के बाद सीबीआई टीम आरोपित एजीएम को लेकर लखनऊ रवाना हो गई। महाप्रबंधक विद्यानंद ने सीबीआई के आने तथा एजीएम अजय कुमार के गिरफ्तार होने की पुष्टि की है।

पुलिस मुठभेड़ में तीन बदमाश गिरफ्तार साथी फरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। जनपद में पुलिस ने सोमवार रात को मुठभेड़ के बाद तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया। दो अलग-अलग स्थानों से बदमाशों की गिरफ्तारी हुई। इनमें एक जिला बदर अपराधी भी है जो वारदात करके फरार हो जाता था।

जानकारी के अनुसार, सोमवार रात को फतेहाबाद की तरफ से पुलिस को एक पल्सर बाइक पर तीन युवक आते दिखाई दिए, जिनको धिमश्री पुलिस चौकी पर रोकने का प्रयास किया लेकिन नहीं रुके। सूचना पर फतेहाबाद रोड जारौली टीला मंदिर के सामने बदमाशों को रोकने का प्रयास किया गया। बाइक सवार बदमाशों ने पुलिस पर फायर कर दिया। पुलिसकर्मियों ने उनका पीछा किया शमसाबाद बिजली घर के पास बदमाशों से मुठभेड़ हुई, एक बदमाश के पैर में गोली लगने से घायल हो गया। उसके दो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की तरफ भाग गए। घायल बदमाश ने अपना नाम टोनी उर्फ कुर्बान निवास मगटई, थाना जगदीशपुरा आगरा बताया है। भागे हुए साथी का नाम अर्जुन और धीरज है। बदमाश के पास से चोरी की बाइक बरामद हुई है। यह बाइक थाना डौकी से एक अप्रैल को चोरी की गई थी। आरोपी पर लूट और चोरी के मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, डौकी के धौर्रा अंडरपास के पास बदमाशों से मुठभेड़ हो गई, जिसमें एक बदमाश के दाहिने पैर में गोली लग गई जबकि उसका दूसरा साथी पुलिस ने पकड़ लिया। हालांकि इनका तीसरा साथी फरार हो गया। घायल बदमाश ने अपना नाम राहुल पुत्र पोहप सिंह निवासी शंकर द्वारी थाना शमशाबाद बताया है। बदमाश जिला बदर अपराधी है। पुलिस ने बदमाशों के पास से बाइक बरामद की है।

देवरिया: बोलेरो और बस की टक्कर में छह लोगों की मौत

» आधा दर्जन घायल, तिलक समारोह से लौट रहे थे बोलेरो सवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई जबकि छह अन्य घायल हो गए। इनमें से दो घायलों की हालत गंभीर है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार, गौरी बाजार-रुद्रपुर मार्ग पर सोमवार रात में दस बजे इंदुपुर काली मंदिर मोड़ के पास बोलेरो और प्राइवेट बस की टक्कर हो गई। हादसे में पांच लोगों ने मौके पर दम तोड़ दिया जबकि एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। हादसे में छह लोग घायल हो गए हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। कुशीनगर जिले के कसया थाना के कोहड़ा निवासी आधा दर्जन लोग बोलेरो से रुद्रपुर की तरफ से एक तिलक समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे थे, जैसे ही गौरी बाजार-रुद्रपुर मार्ग पर काली मंदिर के पहुंचे कि सामने से आ रही बस से आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। सूचना मिलने पर आस-पास के लोगों समेत पुलिस भी मौके

पर पहुंची। हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हुई है। मृतकों में बोलेरो सवार राम पुकार सिंह, वशिष्ठ सिंह, फौजदार सिंह, आयोध्या सिंह निवासी ग्राम लेहड़ा कसया कुशीनगर, अंकुर पांडेय पुत्र देवदत्त पांडेय और बस सवार रामानंद मौर्य निवासी रामपुर कारखाना की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति की मौत जिला अस्पताल में हुई। आधा दर्जन लोग घायल बताए जा रहे हैं जिसमें जोखन सिंह और रामसूरत सिंह की हालत गंभीर बताई जाती है। एसपी डा. श्रीपति मिश्र ने छह लोगों के मौत की पुष्टि की है।

कोरोना संक्रमित राज्यकर्मियों को मिलेगा एक माह का विशेष अवकाश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश में कोरोना वायरस संक्रमण की चौथी लहर के सक्रिय होने की आहट से पहले ही योगी आदित्यनाथ सरकार एक्टिव हो गई है। सरकार ने बीते दो वर्ष में कोरोना वायरस से संक्रमित राज्यकर्मियों को एक महीने का विशेष अवकाश देने का फैसला किया है। इतना ही नहीं इन कर्मियों को परिवार के सदस्य के संक्रमित होने पर 21 दिन की छुट्टी मिलेगी। वित्त विभाग ने इसका आदेश भी जारी कर दिया है।

» कर्मियों के परिवार के सदस्य के संक्रमित होने पर मिलगी 21 दिन की छुट्टी

बीते तीन वर्ष में कोरोना महामारी के कारण कार्यालय आने में असमर्थ रहे राजकीय कर्मचारियों को सरकार ने बड़ी राहत दी है। कोविड-19 महामारी को वित्तीय हस्तपुस्तिका में संक्रामक बीमारी के रूप में सूचीबद्ध करते हुए सरकार ने कोविड-19 पाजिटिव पाये गए कर्मचारियों को अधिकतम एक माह की अवधि का विशेष आकस्मिक अवकाश स्वीकृत करने का फैसला किया है। विशेष आकस्मिक अवकाश की सुविधा कोरोना महामारी के शुरू होने से लेकर इसके समाप्त होने तक दी जाएगी। वित्त विभाग ने सोमवार को शासनादेश जारी कर दिया।

तो नैतिकता के आधार पर टेनी को देना चाहिए इस्तीफा!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर कांड के मुख्य आरोपी और केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष की जमानत रद्द होते ही टेनी पर इस्तीफे का दबाव बढ़ गया है। आशीष को एक हफ्ते में सरेंडर करना है। ऐसे में सवाल उठता हैं कि जब बेटे की जमानत सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दी तो क्या नैतिकता के आधार पर मंत्री टेनी इस्तीफा दे सकते है? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार सबा नकवी, केपी मलिक, परंजॉय गुहा ठाकुरता, प्रिंस लेनिन, डॉ सुनीलम, आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़, प्रो. जितेंद्र मीना और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

डॉ. सुनीलम ने कहा कि लखीमपुर मामले में जिस तरीके की टिप्पणियां की हैं सुप्रीमकोर्ट ने, वे महत्वपूर्ण है। इससे साफ है कि जब तक अजय मिश्रा मंत्री रहेंगे तब तक किसानों को न्याय नहीं मिल सकता। टेनी ने इस मामले में किसानों को धमकाने का काम किया, किसान गुस्से में हैं और न्याय की पूरी लड़ाई लड़ेंगे। परंजॉय गुहा ठाकुरता ने डॉ. सुनीलम की बात का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने कहा जिस तरीके के सबूत हैं उस आधार पर जमानत नहीं दी जा सकती। सात दिन में सरेंडर करने का आदेश दिया है। फिलहाल समय बताएगा ये मामला कहां तक जाएगा। यूपी चुनाव से पहले माहौल गर्म था कि टेनी इस्तीफा देंगे पर नहीं दिया। मेरा मानना है कि नैतिकता के नाते इस्तीफा दे देना चाहिए। प्रियंका कक्कड़ ने कहा हाईकोर्ट इस मामले को नए सिरे से सुन सकता है। मामले में हमारे नेता संजय सिंह ने ट्वीट किया है कि बीजेपी गुंडों की पार्टी है। आप नैतिकता की बात करते हैं जबकि 2014 के बाद से राजनीति में जो हो रहा है या हुआ है। सब देख रहे हैं पर चुप हैं क्योंकि ऐसे लोगों से नैतिकता की बात न करें। सबा नकवी ने कहा इस सरकार को संविधान से, नैतिकता से कोई लेना-देना है ही नहीं। जिसकी लाठी उसकी भैंस। अभी जो शीर्ष अदालत ने कहा, उससे ये थोड़ा चिढ़ेंगे। अब ये जो मंत्री टेनी हैं अगर इनकी जरूरत है तो नहीं हटाएंगे। राजनीति का यही तरीका है कि जरूरत है तो हैं नहीं है तो हटा दो। इसी तरह राजनीति चल रही है। सब भाजपा के हाथ में है। केपी मलिक ने कहा जिस पार्टी की नैतिकता की बात कर रहे, अब ये वह नहीं रही। अगर याद हो तो एक समय हवाला कांड आया था, तब आडवाणी ने कहा था कि जब तक इसका सच सामने नहीं आ जाता है मैं कोई पद नहीं लूंगा। जिस प्रकार से पार्टी का मोरल बदला है तो वे इस्तीफा क्यूं दें। टेनी करते क्या है ये आगे देखने वाला है। प्रो. जितेंद्र मीना व प्रिंस लेनिन भी परिचर्चा भी शामिल हुए।

आम आदमी की तरह लाइन में लगे हेल्थ मिनिस्टर बृजेश पाठक तो दिखा

कैसे बदहाल हो गए हैं अस्पताल

» निजी वाहन से पहुंचे डिप्टी सीएम ने बाराबंकी के जिला अस्पताल में मारा छापा

» मरीजों से बेहतर सुविधाएं दिलाने का दिया भरोसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के हेल्थ मिनिस्टर बृजेश पाठक यूपी सरकार में सबसे एक्टिव मंत्री है। जब से उन्हें स्वास्थ्य महकमे की जिम्मेदारी मिली है तब से वे लगातार स्वास्थ्य सेवाओं को दुरस्त करने में जुटे हैं। बृजेश पाठक खुद आम आदमी की तरह लाइन में लगकर मरीजों से बातचीत कर रहे हैं, तीमारदारों को बेहतर सुविधाएं दिलाने का भरोसा दे रहे है। अस्पतालों के औचक निरीक्षण के क्रम में हेल्थ मिनिस्टर बाराबंकी के जिला अस्पताल पहुंच गए। वहां उन्होंने मुंह पर मास्क लगाकर ओपीडी के सामने लगी भीड़ में आम आदमी बन अस्पताल की बदहाली देखी। निरीक्षण में कदम-कदम पर मिली खामियां पर नाराजगी जताई और तत्काल सुधार के निर्देश दिए।

उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम और चिकित्सा, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री ब्रजेश पाठक का अस्पतालों का औचक निरीक्षण लगातार जारी है। उप मुख्यमंत्री कल अचानक मरीज बनकर बाराबंकी जिला अस्पताल की ओपीडी में पहुंचे और लाइन में लगकर पर्चा बनवाया। मास्क लगा होने के कारण पहले तो लोग उनको पहचान नहीं पाए, लेकिन जब पता चला तो वहां पर खलबली मच गई। करीब 40 मिनट के निरीक्षण के दौरान ब्रजेश पाठक ने वहां पर कई कमियां मिलने के बाद जिम्मेदार चिकित्सों तथा अधिकारियों को फटकार भी लगाई। ब्रजेश पाठक जिला अस्पताल में प्रशासनिक अमले को छोड़ निजी वाहन से पहुंचे। उप मुख्यमंत्री ने पहले अस्पताल की सेवाओं की हकीकत परखी। इसके बाद लाइन में लग कर पर्चा भी बनवाया। एक ही काउंटर पर पर्चे बनाए जा रहे थे। इस पर उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों को फटकार लगाई। एक चिकित्सक के कोर्ट जाने की जानकारी मिलने पर फोन पर जानकारी ली और झूठी सूचना देने पर नाराजगी जताई। उन्होंने खराब मिले वाटर कूलर को ठीक कराने और सफाई व्यवस्था को दुरुस्त कराने के लिए निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री का बाराबंकी जिला अस्पताल का 'आपरेशन' करीब 40 मिनट तक चला। इस दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न कक्षों में जाकर स्वास्थ्य सेवाओं की सत्यता जांची। हड्डी रोग विभाग में एक मरीज के पैर में ईंटा बंधा देखा तो उनका पारा चढ़ गया। उन्होंने बोला कि यहां अब भी जुगाड़ चल रहा है। एक कक्ष में पैक रखी मशीन के संबंध में उन्होंने जानकारी ली। बताया गया कि चार महीने पहले यह मशीन आई थी, लेकिन इसका उपयोग न होने के कारण नहीं खोली गई।

लाइन में लगकर बनवाया पर्चा, मरीजों से जाना हाल

उप मुख्यमंत्री ने पर्चा बनवाने के लिए लाइन में लगे मरीजों से स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में जानकारी ली। स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत जानने के लिए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक सामान्य व्यक्ति की तरह निजी वाहन से पहुंचे थे। मुंह पर मास्क लगाने के साथ ही उन्होंने शर्ट की आस्तीनें चढ़ा रखी थीं। महज तीन-चार मिनट में ओपीडी का निरीक्षण करने के बाद वह पर्चा बनवाने के लिए कतार में लग गए थे। इस दौरान उन्होंने कई मरीजों से बातचीत की।

40
मिनट तक चला उप मुख्यमंत्री का बाराबंकी जिला अस्पताल का 'आपरेशन'

चारधाम यात्रा : संदिग्धों पर रहेगी पैनी नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चारधाम यात्रा क्षेत्र में आने वाले संदिग्धों पर पैनी नजर रखी जाएगी। इतना ही नहीं, मिल रही शिकायतों के आधार पर सरकार जल्द ही क्षेत्र में बाहरी लोगों का सत्यापन झाइव भी कराएगी।

उत्तराखंड में अगले माह से शुरू हो रही चारधाम यात्रा को लेकर सीएम धामी ने बड़ा फैसला लिया है। दरअसल बीते दिनों संतों ने मांग की थी कि चारधाम यात्रा क्षेत्र में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक लगाई जाए। इस पर सीएम धामी ने कहा कि सरकार के संज्ञान में यह विषय है और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चारधाम यात्रा पर जाने से पहले लोगों का सत्यापन किया जाएगा।

आडवाणी का वादा पूरा करेगा केंद्र, सलेम को नहीं होगी 25 साल से ज्यादा सजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह सचिव ने सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि गैंगस्टर अबू सलेम को अधिकतम 25 साल की सजा का वादा पूरा किया जाएगा। यह वादा तत्कालीन डिप्टी पीएम लालकृष्ण आडवाणी ने सलेम के पुर्तगाल से प्रत्यर्पण के वक्त वहां की सरकार से किया था। सलेम 12 मार्च 1993 के मुंबई श्रृंखलाबद्ध बम धमाकों व हत्या की अन्य वारदातों का आरोपी है।

सलेम ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दायर कर कहा था कि भारत सरकार ने 2002 में पुर्तगाल सरकार से वादा किया था कि उसे न तो फांसी की सजा दी जाएगी, न ही किसी भी केस में 25 साल से अधिक कैद होगी। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद सलेम को 11 नवंबर 2005 को पुर्तगाल से भारत लाया गया था। केंद्र सरकार ने कहा कि वह गैंगस्टर सलेम की रिहाई पर साल 2030 में विचार करेगी। सरकार उस वादे को पूरा करेगी जो सलेम के प्रत्यर्पण के वक्त तत्कालीन उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने किया था। शीर्ष कोर्ट के निर्देश पर केंद्रीय गृह ने सुप्रीम कोर्ट में अपना जवाब दाखिल किया है। केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला की ओर से दायर जवाब में कहा गया है कि 25 साल अधिकतम कैद की सजा की मियाद 10 नवंबर 2030 को खत्म होगी। केंद्रीय गृह सचिव ने हलफनामे में यह भी स्पष्ट किया है कि पुर्तगाल सरकार से किए गए वादे से केंद्र सरकार बंधी है।

तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को भी गुजारा भत्ता पाने का हक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने मुस्लिम महिलाओं के हक में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को भी धारा 125 के तहत पति से गुजारा भत्ता पाने का अधिकार है। वे इद्दत की अवधि के बाद भी दूसरा विवाह करने तक इसे प्राप्त करने के लिए अदालत में दावा दायर कर सकती हैं।

» दूसरी शादी तक कर सकती हैं दावा

न्यायमूर्ति करुणेश सिंह पवार ने अहम नजीर वाला यह फैसला एक मुस्लिम महिला की ओर से दाखिल आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर दिया। वर्ष 2008 में दाखिल इस याचिका में प्रतापगढ़ की एक सत्र अदालत के 11 अप्रैल 2008 के आदेश को चुनौती दी गई थी। सत्र न्यायालय ने निचली अदालत के 23 जनवरी 2007 को पारित आदेश को पलटते हुए कहा था कि मुस्लिम वीमेन (प्रोटेक्शन ऑफ राइट्स ऑन डिवोर्स) एक्ट 1986 के आने के बाद याची व उसके पति का मामला इसी अधिनियम के अधीन होगा।

विश्वविद्यालयों में बायोमीट्रिक हाजिरी अनिवार्य

» राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का बड़ा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक और गैरशैक्षणिक काम करने वाले कार्मिकों को लापरवाही भारी पड़ेगी। ये वे कर्मचारी है जो नियत समय में उपस्थित नहीं होते हैं और अपने कार्यालय के दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन नहीं करते हैं। अब ऐसे कर्मचारियों के लिए यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने तकनीकी विकास के साथ-साथ अब विभिन्न कार्यालयों में बायोमीट्रिक अटेन्डेंस की व्यवस्था लागू कर दी गई है और इसी से वेतन भुगतान की व्यवस्था से भी जोड़ दिया गया है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा इसको लेकर एक आदेश भी जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि जून 2021 में राजभवन में संपन्न हुई विभिन्न समीक्षा बैठकों में तथा समय-समय पर विश्विविद्यालयों की समीक्षा बैठकों और राजभवन में आने वालों से मुलाकात के दौरान यह मामला सामने आया था। जिसमें लोगों ने बताया कि राज्य विश्वविद्यालय के शैक्षणिक व गैरशैक्षणिक कर्मचारी समय से अपने कार्यालय नहीं पहुंचते और अपने दायित्वों का निर्वहन नहीं करते हैं। राज्यपाल ने अपने आदेश में कहा है कि कथित राज्य विश्वविद्यालयों में तो ओवर टाइम देने की बात सामने आई है, जो किसी भी हालत में मान्य नहीं है। राज्यपाल ने अपने आदेश में यह भी कहा है कि कुछ शैक्षणिक व गैरशैक्षणिक सुबह आ जाते हैं और दोपहर होते ही चले जाते हैं।

पर्याप्त संख्या में बायोमीट्रिक मशीन लगाए

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राज्य के विश्वविद्यालयों को अपने आदेश में निर्देश दिए हैं कि सभी प्रकार के शैक्षणिक व गैरशैक्षणिक कार्मिकों की उपस्थित बायोमीट्रिक प्रणाली से अनिवार्य रूप से दर्ज करायी जाए। इसके लिए विश्वविद्यालय परिसर में पर्याप्त संख्या में सार्वजनिक स्थलों पर उपस्थित दर्ज करने के लिए बायोमीट्रिक उपकरण लगाये जाए। राज्यपाल ने निर्देश दिए कि यह व्यवस्था ऐसी बनाई जाए कि सबकी उपस्थित एक केंद्रीकृत सर्वर पर उपलब्ध हो जाए। राज्यपाल ने निर्देश दिए कि सभी शैक्षणिक व गैरशैक्षणिक कार्मिकों का वेतन भी इसी बायोमीट्रिक हाजिरी प्रणाली पर आधारित होगा। इसके लिए बायोमीट्रिक उपस्थित प्रणाली को पे-मास्टर/वेतन भुगतान पद्धित से लिंक कराया जाए। इसके लिए खुले बाजार में बहुत से साफ्टवेयर उपलब्ध है। इसके अलावा इसकी सुरक्षा व रखरखाव का भी विशेष ध्यान रखा जाए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।